केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 215 शनिवार 1 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महिला ने 4 बच्चों को छोड़ प्रेमी संग फरार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हरैया थाना क्षेत्र में एक महिला अपने चार बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई। घटना उस समय की है जब बच्चों के पिता पुणे में राजगीर मिस्त्री का काम कर रहे थे।

मां के अचानक गायब होने से घबराए बच्चों ने पुलिस की हेल्पलाइन 112 पर फोन कर मदद मांगी। बच्चों की स्थिति देखकर पुलिस कर्मी भी भावुक हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पिता तुरंत पुणे से गांव पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी चारों बच्चों के साथ घर पर रह रही थी।

पुलिस ने पता लगाने का दिया आश्वासन पति ने गांव की दो महिलाओं पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उनकी पत्नी को भगाने में मदद की है। उनका कहना है कि यह एक साजिश है। हरैया थाना पुलिस ने बच्चों की तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने महिला को जल्द ढूंढने का आश्वासन दिया है। इस घटना ने पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गई है।

महुलानी बुजुर्ग ग्राम पंचायत में फर्जीवाड़ा, डीएम से शिकायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया विकास क्षेत्र के महुलानी खुर्द गांव में विकास कार्य कागजों में हो रहा है। शासन से मिले बजट से ग्राम प्रधान, सचिव और उच्चाधिकारियों की जेब भरी जा रही है। गांव के कृष्ण चन्द्र यादव तथा हेमन्त कुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अविलम्ब कार्यवाही की मांग किया है। शिकायती पत्र में कहा गया है कि महुलानी ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान, सचिव तथा खण्ड विकास अधिकारी की मिलीभगत से रामबहाल के चक से रामचरित्तर के घर तक करीब 200 मी. खड़न्जा 20 साल पहले लगा था। आज भी वहां खड़न्जा दिख रहा है लेकिन इसके ऊपर मिट्टी पटाई दिखाकर 1,54,998 रू. सरकारी धन का बंदरबांट कर लिया गया। इस बावत की गई शिकायत भी बेअसर है। गांव में विन्दू देवी पत्नी पूर्णमासी के नाम से आवास का आवंटन कराया गया। लेकिन धनराशि 1,20,000 विन्दू देवी के स्थान पर मंजू मौर्या के खाते (भारतीय स्टेट बैंक 11684149076 में भेजी गई। इस प्रकार पीएम आवास का पैसा भी हड़प लिया गया। शिकायतकर्ताओं की मांग है कि मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ अविलम्ब कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

नौनिहालों में बंटा स्कूल सामग्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रमोद चौधरी की अगुवाई में मॉड प्राथमिक विद्यालय रमवापुर में अखिल भारतीय सहायता समूह ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन के तहत बच्चों को निःशुल्क जूता, मोजा और स्कूल बैग का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शोभा प्रसाद चौहान ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा जितना मजबूत होगी, राष्ट्र उतना ही प्रगति करेगा और बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा।

प्रधानाचार्य रामभरत वर्मा ने शिक्षा जगत को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। ऐसे प्रयास बच्चों को उत्साहित करते हैं और वे पूरी ऊर्जा से अपने कार्य में लग जाते हैं। उन्होने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। प्रमोद चौधरी ने कहा एक रोटी कम खाकर शिक्षा को प्रथम स्थान पर रखना चाहिये। उन्होने कहा नौनिहाल ही देश का भविष्य है उनका मानसिक शारीरिक विकास देश के विकास का पैमाना तय करता है। इस अवसर पर अनिरूद्ध चौधरी, विनोद कुमार चौहान, रमेश चन्द वर्मा, सूरज गौतम, अरमान हाशमी, तेजेन्द्र निषाद, संदीप चौहान एवं अध्यापक तथा अभिभावक मौजूद रहे।

शेयर मार्केट में गिरावट को लेकर अखिलेश ने साधा सरकार पर निशाना

लखनऊ (आभा)। शेयर बाजार में इस समय भूचाल आया हुआ है। लगातार बाजार गिर रहा है और निवेशकों के पैसे डूब रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ही तीन लाख करोड़ से ज्यादा डूब चुके हैं। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा है। इस बड़ा खेल बताते हुए अखिलेश यादव ने शेयर बाजार पर निगरानी रखने वाले सरकारी तंत्र को भंग करने की मांग कर दी है। अखिलेश ने कहा कि सरकार तुरंत कुंभकर्णी नींद से जागे और 6 महीने से गिर रहे बाजार को बचाने के उपाय ढूंढे नहीं तो ये मान लिया जाएगा कि सरकार को बाजार चला रहा है और सरकार पूरी तरह असफल हो चुकी है। अखिलेश यादव सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि शेयर बाजार की 'महागिरावट' युवा पीढ़ी के शेयर मार्केट में लगाए अरबों रुपये को निगल गयी है। इसके पीछे भ्रामक एप और शेयर की खरीद–फरोख्त करने वाले एक बड़े चालाक तंत्र का खेल खेला जा रहा है। ऐसे 'स्टॉक माफिया' लोग खरीदने पर भी कमाते हैं और बेचने पर भी। इन्हें निवेशकों के पैसे डूबने से कोई मतलब नहीं। इन जैसे शातिर लोगों से शेयर बाजार में नये निवेशकों के रूप में जुड़ी युवा पीढ़ी की निवेशित पूंजी को बचाना शेयर मार्केट से जुड़े सरकारी निगरानी तंत्र का काम होता है। यदि ऐसा करने में ये सरकारी तंत्र विफल है तो ऐसे निष्क्रिय और नाकाम तंत्र पर करोड़ों रुपए खर्च करने का क्या फायदा, उसे तत्काल भंग कर देना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि इस महागिरावट का असर अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र पर पड़ेगा। युवा पीढ़ी का ये नुकसान ईएमआई पर लिए गए घरों और सामानों पर भी पड़ेगा और भुगतान न कर पाने की अवस्था में लोन देना वाले बैंक और फाइनेंस कंपनियां भी इस गिरावट की चपेट में आ जाएंगी। सरकार तुरंत कुंभकर्णी नींद से जागे और 6 महीने से गिर रहे बाजार को बचाने के उपाय ढूंढे नहीं तो ये मान लिया जाएगा कि सरकार को बाजार चला रहा है, और सरकार पूरी तरह असफल हो चुकी है।

मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आमरण अनशन पर बैठे, बोले- प्रशासन मेरे मरने का इंतजार कर रहा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक बुजुर्ग की पेंशन रोकने के विरोध में बहुजन मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आरके आरतियन विकास भवन परिसर में आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनके अनशन को आज चौथा दिन है। आरतियन का आरोप है कि ग्राम सचिव ने एक बुजुर्ग को कागजों में मृत दिखाकर उनकी पेंशन रोक दी है। जब उन्होंने इस मामले में शिकायत की, तब से ग्राम सचिव उनका उत्पीड़न कर रहे हैं। शिकायत पर सुनवाई नहीं जिलाध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने कई बार उच्च अधिकारियों से इस मामले की शिकायत की। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि जिला प्रशासन ग्राम सचिव पर कार्रवाई करने के बजाय उनके मरने का इंतजार कर रहा है।

कायस्थ समाज ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद को किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कायस्थ सेवा ट्रस्ट ने देश के प्रथम राष्ट्रपति व देश रत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद की 62 वीं पुण्यतिथि ट्रस्ट संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव के आवास पर मनाई। कायस्थों ने डॉ प्रसाद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का सेयाजन ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव के द्वारा किया गया।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राजेन्द्र बाबू भारतीय राजनीति, प्रशासन और सार्वजनिक जीवन में सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की प्रतिमूर्ति थे। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद की विनम्रता, सादगी और कर्तव्यपरायणता हम सभी को राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के पथ पर आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रेरित करती है। जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कहा कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद सादगी पसंद, दयालु एवं निर्मल स्वभाव के व्यक्ति थे।

कहा कि वे उन भारतीय नेताओं में से थे जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्रस्ट के संगठन महामंत्री नितेश श्रीवास्तव ने कहा कि उनकी स्वाभाविक सरलता के कारण वे अपने ज्ञान–वैभव का प्रभाव कभी प्रतिष्ठित नहीं करते थे। सादा जीवन, उच्च विचार के अपने सिद्धांत को अपनाने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद अपनी वाणी में हमेशा ही अमृत बनाए रखते थे। जिला संयोजक राजेश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, दुगेंद्र श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने की सड़क जाम कानून मंत्री का फूंका पुतला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता संशोधन बिल के विरोध में वकीलों का आंदोलन तेज हो गया है। शुक्रवार को संयुक्त बार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट के पास सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कानून मंत्री का पुतला भी फूंका।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर काला कानून 2025 वापस नहीं लिया गया, तो प्रदेश के सभी अधिवक्ता विधान सभा का घेराव करेंगे। विरोध प्रदर्शन में कई वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हुए।

इन लोगों की रही मौजूदगी इनमें ज्वाहिर मिश्रा, रविशंकर शुक्ला, अजय सिंह, मारूति शुक्ला और शेष नाथ पाठक प्रमुख थे। शरद चौबे, अरविन्द मिश्रा, रजनीश दूबे, अमर सिंह और रमेश पाण्डेय भी मौजूद रहे। गौतम श्रीवास्तव, टीन लाल, महेश श्रीवास्तव, आशतोष पाण्डेय, राधेश्याम यादव, अजीत पाण्डेय, शैलजा मिश्रा और विनोद सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता प्रदर्शन में शामिल हुए।

आशा कार्यकर्ताओं ने रखी मानदेय बढ़ाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑल इंडिया आशा अधिकार मंच के बैनर तले आशा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मंच की मांग है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए आशा कार्यकर्ताओं को कम से कम 18,000 रुपए मासिक मानदेय दिया जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष पांडेय के नेतृत्व में आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे 2006 से स्वास्थ्य विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। लेकिन उन्हें न तो कर्मचारी का दर्जा मिला है और न ही नियमित वेतन।

आशा कार्यकर्ताओं को 2006 में तय की गई प्रोत्साहन राशि आज भी मिल रही है। जननी सुरक्षा योजना के तहत शहरी क्षेत्र में 400 रुपए और ग्रामीण क्षेत्र में 600 रुपए मिलते हैं। इसके अलावा आयुष्मान भारत, आभा आईडी, दस्तक अभियान, संचारी रोग नियंत्रण और टीबी खोज अभियान जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी निशुल्क करना पड़ता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने हाल ही में कहा था कि आशा कार्यकर्ताओं को 2,000 रुपए मानदेय मिलता है और इसमें 1,000 रुपए की बढ़ोतरी के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजा गया है। लेकिन मंच का कहना है कि 3,000 रुपए मानदेय पर्याप्त नहीं है। केंद्र और राज्य के बजट में भी आशा कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की गई है। जिलाध्यक्ष केशरावती चौधरी, प्रदेश सचिव शारदा देवी और अन्य आशा कार्यकर्ता राजकुमारी और निर्मला तिवारी भी इस अवसर पर मौजूद थीं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं का मण्डलायुक्त ने किया समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं (सड़कों को छोड़कर) की समीक्षा मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में संपन्न हुई। मण्डलायुक्त ने सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं की बिन्दुवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यो में तेजी लायें। साथ ही माह के अनुसार भौतिक व वित्तीय प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि प्राप्त धनराशि का उपभोग नियमानुसार व्यय करें।मण्डलायुक्त ने

कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जो भी निर्माण कार्य पूर्ण हो गये हैं उन्हें यथाशीघ्र हैण्डओवर किया जाए और जहां निर्माण कार्य चल रहा है वहां मानवश्रम बढ़ाकर कार्य को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सीएमआईएस पोर्टल पर आंकड़ों को अद्यतन रखा जाए, जिससे जिले की रैकिंग प्रभाविंत न हो। बैठक का संचालन उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी ने किया। बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय, प्रभारी सीडीओ राजेश कुमार, जयेन्द्र कुमार, जयकेश त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, एडीएसटीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित थे।

ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार दंपति समेत चार लोगों की मौत

झासी (आभा)। झांसी में भीषण हादसा हो गया। झांसी–कानपुर एनएच पर सुल्तानपुरा ओवर ब्रिज पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक में घुस गई। हादसे में महाकुंभ प्रयागराज से स्नान कर गुजरात घर जा रहे दंपति समेत चार की मौत हो गई। जबकि बेटी कार फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हालत नाजुक बताई जा रही है।

हादसा चिरगांव थाना क्षेत्र में हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात (सूरत) निवासी जगदीश भाई अपनी पत्नी कैलाश बेन, साले बिपिन व उसकी भावना बेन व बिपिन की बेटी मिली के साथ महाकुंभ प्रयागराज स्नान कर शुक्रवार तड़के घर वापस जा रहे थे। जैसे ही सुल्तानपुरा ओवर ब्रिज पर पहुंचे, तभी आगे जा रहे ट्रक ने ओवरटेक का प्रयास किया। तभी ट्रेक चालक ने ब्रेक लिए। इसी बीच उनका संतुलन बिगड़ गया और कार पीछे से ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि उसके परखचे उड़ गए। हादसे में कार में फंसकर जगदीश, कैलाश बेन और बिपिन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भावना व मिली गंभीर रूप से घायल हो गई।

सूचना पर थाना प्रभारी तुलसीराम पांडेय, एसआई देवेंद सिंह, मुनिंद्र मिश्रा पुलिस बल के साथ पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का जायजा लिया। कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर तुरंत मेडिकल भिजवाया। जहां से भावना को ग्वालियर रेफर किया गया। तभी रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। जबकि मिली की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपीनाथ सोनी ने बताया कि कार ओवर स्पीड थी। ट्रक से लड़ गई है। तीन की मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले की जांच की जा रही है।

मथुरा में चंद्रशेखर के काफिले पर बाइक सवारों ने किया पथराव, दो घायल, समर्थकों का हंगामा

मथुरा (आभा)। भीम आर्मी प्रमुख सांसद चन्द्रशेखर आजाद के काफिले पर मथुरा में पथराव किया गया है। सुरीर से पहले स्वतंत्रता सेनानी द्वार के पास ईंट भट्टे के पास उनकी गाड़ी पर पथराव किया गया। काफिले में शामिल चार–पांच बाइक सवारों को पथराव में हल्की चोटें आई हैं। पथराव होते ही अफरातफरी मच गई। तनाव के चलते भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची है। पुलिस ने पथराव करने वालों को हिरासत में लिया है। चंद्रशेखर आजाद जातीय संघर्ष में तब्दील गांव भगत नगरिया जा रहे थे। यहां दलित बेटियों के परिवार से मिलने का कार्यक्रम था। पथराव के कारण वहां नहीं जा सके और सुरीर के आंबेडकर पार्क में उनकी सभा हो रही है। यहीं पर दलित बेटियों और उनके परिजनों को बुलाकर मिलवाया गया है। चंद्रशेखर ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएंगे पूरी तरह से परिवार के साथ हूं।

गौरतलब है कि मथुरा में थाना रिफाइनरी क्षेत्र के गांव करनावल में पिछले शुक्रवार रास्ते से निकलने को लेकर दबंगों ने दो दलित दुल्हनों समेत घरातियों और बरातियों की जमकर पीटाई कर दी थी। घटना के बाद दूल्हों के पिता बिना शादी के बरात को वापस लेकर चले गए थे। बताया जाता है कि ब्राह्मण खेगा (डीग, राजस्थान) निवासी तारा चंद्र बेटों देवेंद्र और अर्जुन की बरात लेकर करनावल निवासी दलित पदम सिंह घर पहुंचे थे। पदम सिंह की दोनों बेटियों से दोनों भाइयों की शादी होनी थी। रस्में चल रही थी। दोनों बेटियां अपनी बुआ और फूफा के साथ टाउनशिप स्थित पार्लर पर तैयार होने गई थीं।

लौटते समय गांव की गली में कार के सामने बाइक सवार तीन युवक आ गए। रास्ते से निकलने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि तीनों युवकों ने परिजनों को बुलाकर पहले फूफा, बुआ और दोनों बहनों के साथ मारपीट की। जाति सूचक शब्द कहे। इसके बाद पहुंचे घरातियों और बारातियों को भी पीटा।

इन्हीं बेटियों और परिवार से मिलने चंद्रशेखर आजाद शुक्रवार की दोपहर पहुंचे थे। सिर्रेला से चन्द्रशेखर का काफिला भगत नगरिया के लिए निकला था। यहां से सुरीर होकर रास्ता जाता है। सुरीर से पहले स्वतंत्रता सेनानी द्वार के पास ईंट भट्टे के पास उनकी काफिले की गाड़ी पर पथराव किया गया। पथराव से उनके साथ मौजूद कुछ बाइक सवारों को चोटें आयी हैं। पथराव करने वाले करीब चार–पांच लोगों को हिरासत में लिया है। इसके बाद भगत नगरिया जाने का उनका कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। चंद्रशेखर पथराव के बाद पास ही स्थित अंबेडकर पार्क में बैठ गए। वहीं पर पीड़ित परिवार को बुलवा लिया और उनसे वार्ता की। न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। कई थानों की पुलिस मौके पर मौजूद रही।

संभल जामा मस्जिद में रंगाई–पुताई की अनुमति नहीं मिली, हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका

प्रयागराज (आभा)। यूपी के संभल में जामा मस्जिद में रमजान से पहले रंगाई–पोताई कराने को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। हाईकोर्ट ने रंगाई पुताई की इजाजत नहीं दी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ेप) की रिपोर्ट पर फिलहाल मस्जिद की केवल साफ–सफाई की अनुमति दी है। मस्जिद के निरीक्षण के बाद एएसआई ने कोर्ट में कहा कि रंगाई पुताई की जरूरत नहीं है। हालांकि मुस्लिम पक्ष ने एएसआई रिपोर्ट पर आपत्ति दाखिल करने का समय मांगा है। अब कोर्ट में अगली सुनवाई पांच मार्च को करेगा।

दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान संभल जामा मस्जिद में रमजान के पहले रंगाई पुताई की अनुमति देने के मामले में एएसआई को तीन अफसरों,मस्जिद के मुतवल्ली के साथ अविलंब परिसर का निरीक्षण कर इस बात की रिपोर्ट देने को कहा है कि परिसर में सफेदी, रखरखाव

मरम्मत की जरूरत है या नहीं। कोर्ट ने कमेटी गठित कर एएसआई से शुक्रवार सुबह 10 बजे तक रिपोर्ट मांगी थी। हाईकोर्ट के निर्देश के कुछ देर बाद ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की तीन सदस्यीय टीम ने शाही जामा मस्जिद का निरीक्षण किया।

टीम शाम करीब 4.40 बजे मस्जिद कमेटी के अंदर गई। एक घंटा 10 मिनट चली जांच के बाद मस्जिद सदर ने बताया कि एएसआई की टीम ने मस्जिद के अंदर और बाहर का निरीक्षण किया है। उन्हें क्षतिग्रस्त हो रहे स्थानों व खराब हो रहे स्थलों को दिखाया है। जिससे रंगाई पुताई के साथ मरम्मत की अनुमति मिल सके। इसके बाद आज शुक्रवार को फिर हाईकोर्ट सुनवाई हुई। कोर्ट ने जामा मस्जिद की साफ–सफाई के लिए दे दी है। निरीक्षण के बाद एएसआई ने कोर्ट में कहा कि रंगाई पुताई की जरूरत नहीं है। इस पर मुस्लिम पक्ष ने एएसआई रिपोर्ट पर आपत्ति दाखिल करने का समय मांगा। इस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए पांच मार्च डेट दी है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 मार्च 2025 शनिवार

सम्पादकीय

एक देश एक चुनाव

दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में हैट्रिक जीत के बाद भाजपा के कदमों में उछाल आ गया है। अब यह प्रधानमंत्री मोदी की पसंदीदा बातों में से एक पर वापस आ गया है– एक राष्ट्र एक चुनाव (ओ.एन.ओ.ई.), एक महत्वाकांक्षी विशाल उपक्रम जिसमें कानून मंत्रालय ने जोर दिया है कि एक साथ चुनाव नागरिकों के अधिकार पर कोई असर नहीं डालते और न ही वोट देने और चुनाव लडने के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। ओ.एन.ओ.ई. विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति को दिए गए जवाब में उसने इस बात पर जोर दिया कि यह संविधान के मूल ढांचे या संघवाद का उल्लंघन नहीं करता, इससे राजनीतिक विविधता और समावेशिता बढ़ेगी, राजनीति में नए चेहरे आएंगे और कुछ नेताओं को प्रमुख पदों पर एकाधिकार करने से रोका जा सकेगा। इसने याद दिलाया कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनावों के साथ शुरू हुई थी। हालांकि, यह कांग्रेस की इंदिरा गांधी की सरकार थी, जिसने कई राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया था, जिसने 1971 में समकालिक चुनावों को समाप्त कर दिया था।

विधि आयोग ने तीन बार– 1999, 2015 और 2018 में नागरिकों, पाध्टयों और सरकार को अतुल्यकालिक चुनावों के बोझ से मुक्त करने के लिए एक साथ चुनाव कराने की वकालत की थी। इससे चुनाव कराने में होने वाले भारी खर्च में कमी आएगी, जैसा कि चुनाव आयोग ने एक साथ चुनाव कराने की लागत 5,500 करोड़ रुपए आंकी है। अगर ऐसा है, तो क्या यह सर्वोत्तम राष्ट्रीय हित में उचित होगा? प्रधानमंत्री मोदी ऐसा ही सोचते हैं और 2016 से बार–बार ओ.एन.ओ.ई. का मुद्दा उठा रहे हैं। जबकि उनकी पार्टी और सहयोगी जद (यू), तेदेपा आदि इस बात से सहमत हैं, कांग्रेस, तृणमूल और समाजवादी इसे एक 'नौटंकी', अव्यावहारिक और लोकतंत्र विरोधी कहते हैं। निस्संदेह, एक साथ चुनाव कराने से शासन में व्यवधान और बार–बार चुनावों के कारण नीतिगत पक्षाघात से बचने में मदद मिल सकती है क्योंकि एक बार जब कोई पार्टी चुन ली जाती है और सरकार बन जाती है तो वह काम पर लग सकती है, जनहित में कठोर निर्णय ले सकती है और वोट बैंक पर इसके प्रभाव की चिंता किए बिना सुशासन देने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

वर्तमान में, शोरगुल वाले अभियान, फिजूलखर्ची, रैलियां, सड़कों को अवरुद्ध करना लगातार हमारे जीवन को बाधित करता है। हर साल एक के बाद एक राज्य में चुनाव होने के कारण, केंद्र और राज्य सरकारों को चलाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। इस परेशान करने वाली चुनावी वैंडिंग मशीनों के बीच भारत के चिरकालिक सतत चुनाव सिंड्रोम (पी.ई.एस.) का समाधान शायद हर पांच साल में एक मैगा चुनाव कराने के रामबाण उपाय में निहित है। लेकिन यह एक ऐसा विचार है जिस पर सभी स्तरों पर व्यापक रूप से बहस करने की आवश्यकता है। संसद द्वारा इसे मंजूरी देने से पहले इसके पक्ष और विपक्ष को तौला जाना चाहिए। चूंकि जिस बदलाव की वकालत की जा रही है, उसके लिए संविधान के मूल ढांचे को बदलना होगा।

15 दलों द्वारा ओ.एन.ओ.ई. का विरोध करने के साथ ही चुनौती प्रक्रियागत विवरण, नागरिकों के अधिकारों की सरकार द्वारा उपेक्षा और गैर–निष्पादक सरकारों को हटाने की है। फिर भी, आगे का रास्ता जटिल है और कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल। प्रधानमंत्री ने नवंबर में बिहार विधानसभा चुनाव और उसके बाद अगले साल असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के लिए बिगुल बजा दिया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि वह 2029 में ओ.एन.ओ.ई. आयोजित कर सकता है। काल्पनिक रूप से, इसका मतलब है कि कई राज्य विधानसभाओं को भंग करना। निःसंदेह, कोई भी सरकार, चाहे वह किसी भी पार्टी की हो, केंद्र के साथ एकमत नहीं होगी। इसके अलावा, स्थानीय निकायों की अवधि में बदलाव के लिए राज्यों की स्वीकृति की आवश्यकता होती है। यहां तक कि राज्य चुनाव आयुक्त भी चुनाव आयोग को मतदाता सूची का अंतिम मध्यस्थ बनाने से कतराते हैं क्योंकि इससे संघीय ढांचा कमजोर होगा और राज्यों के 'संघ' के विचार के विरुद्ध होगा।

कुछ लोगों का मानना है कि एक साथ चुनाव कराना उचित नहीं है क्योंकि यह राजनीतिक विचारों से प्रेरित हो सकता है, क्योंकि जब एक साथ चुनाव होते हैं तो मतदाता एक ही पार्टी को वोट देते हैं। साथ ही, केंद्र और राज्यों में चुनाव के मुद्दे अलग–अलग होते हैं जिससे भ्रम की स्थिति पैदा होगी। साथ ही, क्या होता है जब कोई सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने में असमर्थ होती है? स्पष्ट रूप से, जिस सरकार को सदन का विश्वास नहीं है, उसे लोगों पर थोपा जाएगा और इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं होगी। इससे बचने के लिए चुनाव आयोग का सुझाव है कि किसी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के साथ–साथ किसी अन्य सरकार और प्रधानमंत्री के लिए विश्वास प्रस्ताव भी लाया जाना चाहिए और दोनों प्रस्तावों पर एक साथ मतदान किया जाना चाहिए। स्पष्ट रूप से, भारत के सतत चुनाव सिंड्रोम को खत्म करने के लिए बदलाव की हवा का समय आ गया है क्योंकि चुनाव हमारे लोकतंत्र की नींव हैं और हमें चुनावों के दोहराव से बचना चाहिए। भारत के लोकतंत्र को हर समय पार्टियों के बीच तू–तू मैं–मैं तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या सही कदम

—प्रियंका सौरभ—

महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20: अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोधा के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके करियर में आगे बढ़ने और गुणवत्तापूर्ण शोध करने की क्षमता में बाधा आती है। नीति आयोग के अनुसार, भारत में महिला सदस्य बच्चे को जन्म देने के बाद लम्बे समय तक अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके स्थायी आधार पर नियुक्त होने की संभावना कम हो जाती है।

यूडीआईएसई 2023—24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43: संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षिणक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग–संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20: अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है।

उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43: है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20: से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25: से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10: से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक–सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30: से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोधा के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है।

समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानारू महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का षविज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएंष कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य–जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की षमहिला वैज्ञानिक योजनाष महिला शोधकर्ताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43: है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20: से भी कम है।

यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा–निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग–संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं। गुमनाम शिकायत निवारण प्रक्रियाएं स्थापित करें, सुनिश्चित करें कि आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी) कार्यरत हों, तथा सभी विश्वविद्यालयों में कठोर उत्पीड़न–विरोधी नीतियां लागू करें। यूजीसी के 2023 निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालयों में आईसीसी आवश्यक हैय हालाँकि, अभी भी कार्यान्वयन में खामियाँ हैं, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण संस्थानों में। शिक्षा जगत में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन कार्यक्रम, समावेशी नियुक्ति प्रथाएं, संस्थागत परिवर्तन और बहुआयामी रणनीति आवश्यक हैं। परिवार–अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना, पारदर्शी पदोन्नति की गारंटी देना, तथा भेदभाव–विरोधी कानूनों को मजबूत बनाना, उच्च शिक्षा में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकता है। लिंग–संवेदनशील, योग्यता–आधारित नीतियों की ओर प्रतिमान बदलाव से प्रतिनिधित्व में सुधार होगा और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

स्मार्टफोन के बेतहाशा इस्तेमाल का खतरा

—डा. वरिन्द्र भाटिया—

इस समय पूरे देश में स्कूली छात्रों द्वारा मोबाइल का गैर–जरूरी इस्तेमाल सामाजिक चिंताओं को जन्म दे रहा है। देश में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6–16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई की बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। शोध एवं अध्ययनों में पाया गया है कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे उसका इस्तेमाल न कर रहे हों। स्मार्टफोन के इस्तेमाल से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक इस्तेमाल करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पडने जैसे खतरे उभरे हैं।

इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में अनेक शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन, यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जी.ई.एम.) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों में से 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंधा लगा दिया था। डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह कोई बुरी बात नहीं है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी हैं, जिनमें डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनैट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाए।

सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र–छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।आज 60 प्रतिशत माता–पिता अपने बच्चों द्वारा टैक्नोलॉजी के इस्तेमाल की निगरानी नहीं करते और 75 प्रतिशत बच्चों को उनके बैडरूम में टैक्नोलॉजी इस्तेमाल करने की खुली छूट मिली है।आज लाखों की संख्या में 9–10 साल की उम्र के इन बच्चों की नींद और स्टडीज टैक्नोलॉजी के दखल के कारण प्रभावित हो रही हैं।

स्मार्टफोन के अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों में डिप्रैशन, एंग्जाइटी, अटैचमैंट डिस्ऑर्डर, ध्यान नहीं लगना, बाइपोलर डिस्ऑर्डर, उन्माद और प्रॉब्लमैटिक चाइल्ड बिहेवियर जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। इससे पैदा होने वाली सभी प्रकार की समस्याओं पर स्कूल शिक्षा से जुड़े सभी लोगों का संजीदा होना आवश्यक लग रहा है और इसके लिए, सभी निहित कदम उठाना सामयिक जरूरत है।

आज के दिन ऐसा शायद ही कोई होगा जिसके पास मोबाइल फोन ना हो। हर किसी व्यक्ति के पास मोबाइल फोन होना एक आम बात है क्योंकि मनुष्य इसका आदि हो चूका है।पर हमें मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते–करते यह भी ध्यान रखना पड़ेगा कि मोबाइल फोन के फायदे और नुकसान क्या–क्या हैं। आज के दुनिया में मोबाइल फोन ने मनुष्य को एक दुसरे से जुड़ने के तरीके को पूरी तरीके से बदल डाला है।

मोबाइल फोन के ना होने पर आज का मनुष्य एक सेकंड के लिए भी अपना कार्य पूरा नहीं कर सकता। आज के स्मार्ट फोन से आप कॉल कर सकते हैं, मेसेज भेज सकते हैं, ईमेल पढ़ सकते हैं, कई प्रकार के डाक्यूमेंट को एडिट कर के "अम भी कर सकते हैं और साथ ही हम सोच भी नहीं सकते की एक मोबाइल फोन में हम क्या–क्या कर सकते हैं।सही नजरिए से देखा जाये तो मोबाइल फोन मनुष्य द्वारा और मनुष्य के लिए एक अभूतपूर्व अविष्कार है। लेकिन हर कोई यह बात तो जानता ही है कि इस पृथ्वी में जिस भी चीज से मनुष्य को लाभ होता है उसी चीज से हानि भी।

आज मोबाइल फोन मात्र एक मोबाइल फोन नहीं रहा दृ एक कई प्रकार के कार्यों को पूरा करने वाला यंत्र बन चूका है। हर दिन मोबाइल फोन टेक्नोलॉजी में कुछ ना कुछ अपग्रेड(न्चहतंकम) किया जा रहा है। आज के एक साधारण स्मार्ट फोन में आप आसानी से फोटो ले सकते हैं, गाने या विडियो का आनंद उठा सकते हैं, ईमेल भेज, गेम खेल सकते हैं, वीडियोस बना कर पैसे कमा सकते हैं, इंटरनेट की मदद से सभी प्रकार की जानकारियों के बारे में जान सकते हैं।

रूसी वैक्सीन :कैंसर रोगियों की नयी उम्मीद

—माहिया—

रूस ने घोषणा की है कि उसने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए–आधारित वैक्सीन विकसित की है जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध करायी जायेगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग के मुतसबिक, इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप–परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करता है) उत्पादन करना सिखाती है। जब यह एंटीजन कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।

सवाल यह है कि यह वैक्सीन किस तरह से काम करती है? दरअसल, एमआरएनए कैंसर वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अक्सर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वह पहचान में आने से बच जायें फलस्वरूप प्रतिरोधात्मक क्षमता उन्हें नष्ट नहीं कर पाती। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है और इम्यूनोथेरेपी का विचार यह है कि शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाये कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे तथा फैलने से रोके। इस उपचार में कीमोथेरेपी के विपरीत केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन साइड–इफेक्ट्स कम हो जाते हैं।

वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्यूनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि। अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार

सवाल यह है कि यह वैक्सीन किस तरह से काम करती है? दरअसल, एमआरएनए कैंसर वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अक्सर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वह पहचान में आने से बच जायें फलस्वरूप प्रतिरोधात्मक क्षमता उन्हें नष्ट नहीं कर पाती। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है और इम्यूनोथेरेपी का विचार यह है कि शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाये कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे तथा फैलने से रोके।

किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाये, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिजाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।

कैंसर की वैक्सीन का शोध केवल रूस में ही नहीं हुआ है। पिछले साल इंग्लैंड की नेशनल हेल्थ सर्विस ने कैंसर वैक्सीन लांच पैड स्थापित किया, जो एक ट्रायल कार्यक्रम है ताकि एमआरएनए व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल्स में उन लोगों के लिए तेजी लायी जा सके, जिनको कैंसर होने की पुष्टि हो चुकी है और साथ ही कैंसर का उपचार करने के लिए कैंसर वैक्सीन के विकास को गति प्रदान की जा सके। अमेरिका में ग्लोबल बायोफर्मास्यूटिकल कंपनी क्योरवैक ने पिछले सितम्बर में घोषणा की कि सीवीजीबीएम कैंसर वैक्सीन ने ग्लिओबलस्टोमा (ब्रेन कैंसर) रोगियों पर पहले चरण के अध्ययन में उत्सावर्धक प्रतिरोधात्मक (इम्यून) प्रतिक्रियाएं प्रदर्शित की हैं। वर्तमान में कैंसर वैक्सीन को लेकर संसार के विभिन्न हिस्सों में 120 से अधिक क्लिनिकल ट्रायल्स चल रहे हैं। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग भ्रामक है।

जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपीलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता हैय क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस बी वैक्सीन जो हेपेटाइटिस बी वायरल संक्रमण को रोकने के लिए दी जाती है, उसकी भी जिगर के कैंसर को रोकने में सुरक्षात्मक भूमिका हो सकती है। डॉक्टर इस बात पर बल देते हैं, ' इम्यूनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।'

कोई भी नई ड्रग क्लिनिकल ट्रायल्स के अनेक चरणों से गुजरती है। इस प्रक्रिया में सालों लग जाते हैं। जब तक यह सब डाटा सार्वजनिक तौरपर उपलब्ध नहीं होता है, तब तक यह कहना कठिन है कि रूस की उपचार विधि किस स्तर पर है और वह कितनी सुरक्षित व प्रभावी है। —इ.रि.सें.

अवैध संबंध में रोड़ा बन रहा था पति, पत्नी ने देवर संग मिलकर उतारा मौत के घाट

संवाददाता–कुशीनगर। अवैध संबंध में बाधक बनने पर पत्नी ने देवर संग मिलकर पति की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पडरौना कोतवाली के जंगल अमवा में गुरुवार की देर रात हुई इस जघन्य घटना के बाद दोनों आरोपित फरार हैं। मां की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश में छापामारी कर रही है।

बताया जा रहा कि गांव के 30 वर्षीय अख्तर फेरी लगाकर चूड़ी बेचते थे। चार दिन पूर्व वे चूड़ी बेचकर देर शाम घर आए तो पत्नी अमारया व छोटे भाई 21 वर्षीय इश्तेयाक को आपत्तिजनक हाल में देखा। इसे लेकर भाइयों में कहासुनी होने लगी। अख्तर ने इश्तेयाक को घर से निकाल दिया। अवैध प्रेम संबंध में बाधक बनने पर पत्नी व छोटा भाई अख्तर से खुन्नस रखने लगे।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार की रात नौ बजे खाना खाकर अख्तर अपने कमरे में सोने चले गए। रात करीब दो बजे अचानक उन पर किसी ने चाकू से हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों की नींद खुली तो लोग मौके पर गए। अख्तर को खून से लथपथ देख अवाक रह गए। लोगों ने 112 नंबर पर सूचना दी।

पीआरवी टीम कोतवाली को सूचना कर अपने वाहन से युवक को जिला अस्पताल ले गई, जहां परीक्षण के पश्चात डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस की छानबीन में पता चला कि अख्तर ही घर का कमाऊ सदस्य था। परिवार में पत्नी के अलावा मां तबीजन खातून व छोटा भाई इश्तेयाक है।

मां पिछले दस दिनों से बिहार के मधुबनी धनहा स्थित मायके में हैं। बेटे की हत्या की खबर पाकर वह फफक पड़ीं। सुबह घर आईं। छोटे बेटे व बहू की करतूत के बारे में पुलिस को बताया। चार दिन पहले पत्नी व भाई के अवैध संबंध के बारे में जानकारी होने पर अख्तर ने इश्तेयाक को घर से निकाल दिया था, इसकी जानकारी उसने मुझे फोन से दी थी। सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया कि मां की तहरीर पर हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। दोनों आरोपित फरार हैं। टीमें छापेमारी कर रहीं हैं। शीघ्र ही पकड़ लिए जाएंगे।

अख्तर चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। 12 वर्ष पूर्व नरकटियागंज बिहार में शादी हुई थी। चार बच्चे अरफराज दस वर्ष, अरबीना आठ वर्ष, असवींना पांच वर्ष, अरफरान तीन वर्ष हैं।ग्रामीणों के अनुसार आरोपित इश्तेयाक दो माह बाद बीते 23 फरवरी को पुणे से गांव वापस आया था।

गिद्ध पक्षियों को भाने लगी तराई के धरती की अबोहवा

संवाददाता–महराजगंज। । गिद्ध पक्षियों को तराई की अबोहवा धीरे–धीरे भाने लगी है। पर्यावरण को स्वच्छ रखने व गन्दगी को समाप्त करने वाले पर्यावरण मित्र गिद्ध पक्षियों ने एक बार फिर से महराजगंज की धरती पर दस्तक देना शुरू कर दिया है।

गिद्ध पक्षियों को विलुप्त पक्षी की श्रेणी मे रखा गया है। वर्षों पहले यह बड़ी संख्या में नजर आते थे, लेकिन अब इनकी संख्या ही विलुप्त हो गई है। अब नौतनवा ब्लाक क्षेत्र में कहीं–कहीं नजर आने लगे हैं, जो पर्यावरण के लिए अच्छा संकेत है। नौतनवा ब्लाक क्षेत्र के रतनपुर खास गांव से पूरब नहर में एक दर्जन गिद्ध पक्षी नजर आए। गिद्ध पक्षियों के आसपास कौआ व चील मंडरा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे कोई जानवर वहां मरा हो जिसे खाने के लिए गिद्धों ने भी दस्तक दिया है। लोगों का कहना है कि बहुत दिनों बाद अचानक इतने गिद्ध दिखे हैं।

29 मार्च व 5 अप्रैल 2024 को नौतनवा–ठूठीबारी मुख्य मार्ग नौडिहवा चौराहे से पश्चिम सड़क के किनारे खेत मे करीब एक दर्जन गिद्ध पक्षी नजर आए थे। मई–24 में भी रोहिन नदी के पास दर्जन भर गिद्ध नजर आए थे। अब एक बार फिर गिद्ध दिखने को लोग सुखद बता रहे हैं। उत्तरी चौक रेंज घोड़हवा बीट के वन दारोगा जितेन्द्र कुमार गोड का कहना है कि गिद्ध पक्षी विलुप्त हो गए थे, लेकिन अब इनकी दस्तक शुरू हो गई है। अब नजर आने लगे हैं, जो महराजगंज के लिए अच्छा संकेत है।

लूट व चोरी की योजना बना रहे चार शातिर अपराधी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र के रामपुर बंधा के निकट बृहस्पतिवार रात पुलिस की बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने लूट व चोरी में शामिल 25–25 हजार के तीन व 15 हजार रुपए के एक इनामिया बदमाश को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से देशी तमंचा, कारतूस, दो बाइक व चोरी का सामान बरामद हुआ है। सिरसिया क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात एसओजी व सिरसिया पुलिस संयुक्त गश्त पर निकली थी। इस दौरान चिल्हरिया मोड़ पर मुखबिर की सूचना मिली कि ग्राम गब्बापुर के तालाब के पास चार लोग लूट व चोरी की योजना बना रहे हैं। जो अभ्यस्त शातिर किस्म के अपराधी हैं।

सूचना पर एसओजी व सिरसिया पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुची तो वहां मौजूद लोग भागने लगे। जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में उनकी पहचान भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हल्लाजोत के मजरा बाबू पुरवा निवासी हसन अली पुत्र बच्छन, बनघुसरा निवासी लाल मंथन उर्फ मिथुन पुत्र मदन, लक्ष्मनपुर इटवरिया के मजरा भभरापुर निवासी बाबादीन उर्फ जलालुद्दीन पुत्र मुशर्रफ तथा बलरामपुर जिले के थाना हरैया क्षेत्र के सिकंदर बोझी निवासी रमेश मिश्रा उर्फ पट्टे महाराज पुत्र राम आधार मिश्रा के रूप में हुई।

पूछताछ में पता चला कि इन लोगों ने मल्हीपुर व हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र में लूट व चोरी की कई घटना को अंजाम दिया है। इनमें से हसन अली पर बलरामपुर, श्रावस्ती सहित अन्य जिलों में लूट, हत्या, हत्या का प्रयास व गैंगस्टर के 36 मामले दर्ज हैं। वहीं लाल मंथन उर्फ मिथुन के विरूद्ध 12 व रमेश मिश्रा उर्फ पट्टे महाराज के विरुद्ध आठ मामले दर्ज हैं।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि हसन अली, लाल मथन व रमेश मिश्रा पर 25– 25 हजार व बाबादीन उर्फ जलालुद्दीन पर 15 हजार का इनाम घोषित किया गया था। रात में जब गैंग लीडर हसन अली को चोरी व लूट के माल की बरामदगी के लिए उसके बताए स्थान सुहेलवा जंगल ले जाया गया। तभी हसन अली ने प्रधान आरक्षी देवेन्द्र प्रताप की पंप एक्शन गन छीनकर पुलिस पार्टी पर दो फायर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सिरसिया राजकुमार सरोज द्वारा आत्मरक्षा में अपनी सरकारी पिस्टल से फायर किया गया जिसमें हसन अली के बाएं पैर में गोली लगी। जिसे सीएचसी सिरसिया भेजा गया है।

शहर में बस अड्डा लोगों को दे रहा दर्द

संवाददाता–बलरामपुर। शहर के बीचोबीच स्थित रोडवेज बस अड्डे की वजह से लोगों की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। पहली मार्च से बसों की संख्या में इजाफा होगा और इससे लोगों की दिक्कतें और बढ़ जाएंगी। उन्हें भीषण जाम जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अभी करीब 30 से 40 बसें ही रहती हैं, ज्यादातर बसें प्रयागराज गई हैं। शुक्रवार के बाद 86 बसों का आवाजाही शुरू हो जाएगी, इससे लोगों का राह चलना भी दूभर हो जाएगा। सिविल लाइन क्षेत्र से बस अड्डे को अलग शिफ्ट किए जाने की मांग बीते 10 वर्षों से हो रही है। विधानसभा हो या फिर लोकसभा चुनाव, यह मुद्दा हमेशा अहम रहता है। इसके बाद भी बस अड्डा स्थानांतरित नहीं हो सका है। बस अड्डा बलरामपुर–बहराइच मार्ग से चंद कदम की दूरी पर स्थिति है। बस अड्डे को जाने वाली सड़क भी सकरी है। ऐसे में सिविल लाइन के साथ शहरवासियों को रोज दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिन में कई बार तो झारखंडी रेलवे क्रॉसिंग बंद होती है, जो बस अड्डे के पास ही स्थित है। इस दौरान वीर विनय चौराहे तक जाम लग जाता है। लोगों की यह परेशानी दिनोंदिन विकट होती जा रही है। शहर के व्यापारी हों या फिर आम नागरिक सभी बस अड्डे से आजिज हैं। सिविल लाइन के आसिफ, दिनेश, राहुल, प्रदीप कुमार कहते हैं कि बस अड्डे को हटाने से ही समस्या दूर होगी। इसकी मांग की गई, जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन भी दिया था, लेकिन अभी तक बस अड्डा हटाया नहीं गया। पल्टूराम, विधायक सदर ने कहा कि बस अड्डे को अलग शिफ्ट किए जाने के लिए अधिकारियों से बात होगी। जल्द से जल्द शहर के लोगों की समस्या को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

बारात से लौट रहे युवक को गैंग के सदस्यों ने बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के एक गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां करीब दर्जन भर युवकों ने एक लड़के को पकड़कर बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोपियों ने युवक को इस कदर पीटा कि वह जमीन पर गिर पड़ा, लेकिन फिर भी आरोपी उसको पीटते रहे। इस पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से सनसनी मच गई है। बताया जा रहा है कि घटना 26 फरवरी की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि गुलाबी शर्ट पहने बाइक सवार एक युवक को दर्जनों युवक घेर कर लात–मुक्के से पीट रहे हैं। पुलिस को दिए गए तहरीर में श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के सियरहीभार निवासी जैद खां ने बताया कि 26 फरवरी को वह क्षेत्र के तरकुलवा भटगांवा गांव में बारात गया हुआ था।

भोजन करके बाइक से वापस जा रहा था कि ग्रुप गैंग 3794 के दर्जनों युवाओं ने उसकी बाइक को रोक लिया और तोड़फोड़ करने लगे। विरोध करने पर उसे गालियां देते हुए मारने–पीटने लगे। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित युवक ने बताया कि घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देकर अस्पताल चला गया। हालत में सुधार होने के बाद पुलिस को तहरीर दी है।

अभिषेक सिंह, एसओ ने कहा कि मामले की जानकारी हुई है। इसकी जांच–पड़ताल कराई जा रही है। जरूरी कार्रवाई होगी।

सेहतमंद रहने के लिए कूड़ा प्रबंधन जरूरी –अपर सत्र न्यायाधीश

संवाददाता–महराजगंज। जनता के व्यक्तिगत प्रयास से कूड़ा प्रबंधन हो सकता है। इसके लिए हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। आज प्लास्टिक का उपयोग करने से लोगों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए कूड़ा प्रबंधन जरुरी है। ये बातें आधारशिला वृद्धाश्रम गनेशपुर आनंदनगर में आयोजित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर जिला विधिक प्राधिकरण की ओर से आयोजित गोष्ठी में प्राधिकरण के सचिव–अपर सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार जाटव ने कही। उन्होंने कहा कि ध्यान और व्यायाम करने से व्यक्ति कभी बीमार नहीं पड़ेगा। उन्होंने वृद्धाश्रम से जुड़ी कई सुविधाओं की जानकारी प्रबंधक प्रदीप कटियार से ली। प्रबंधक ने बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं की जानकारी देते हुए निदान करने की मांग की। इस पर अपर सत्र न्यायाधीश ने अविलंब निदान करने का आश्वासन दिया। इसी क्रम में कालिका सिंह ने कहा कि स्वच्छता से हमारी रक्षा होती है। स्वच्छ भारत मिशन अपनाएं और निरोग रहें। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत का निर्णय अंतिम निर्णय होता। अंत में उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत से जुड़े तमाम बिन्दुओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम को विशुनदेव त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। इस दौरान आधारशिला वृद्धाश्रम के कर्मचारी मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव कुमार मिश्र ने किया

श्री दिगंबर जैन मंदिर में संपन्न हुआ ध्वज पूजन 2 मार्च से प्रारंभ होगा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री दिगंबर जैन अयोध्या तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वाधान में फाल्गुन शुक्ल तृतीया 2 मार्च से फाल्गुन शुक्ल सप्तमी 6 मार्च तक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसका शुभारंभ 28 फरवरी शुक्रवार को जैन साध्वी गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माता ने ध्वजा पूजन करके किया।तीन लोक रचना में सिद्ध भगवंतों की 727 जिनप्रतिमाएं विराजमान और भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक की अन्य 1008 प्रतिमाओं का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा होगा। यानी लगभग 1800 प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा होगी। महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत अन्य विशिष्टजनों को आमंत्रित किया गया है।

प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माता एवं तीर्थ के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी ने बताया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को आचार्यश्री भद्रबाहुसागर, क्षुल्लक ध्यानसागर एवं श्रवणबेलगोला के भट्टारक स्वस्तिश्री चारुकीर्ति का सानिध्य प्राप्त होगा। महोत्सव में देश से पांच हजार भक्तजन शामिल होंगे। अनुष्ठान को प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन, पं. ऋषभसेन जैन उपाध्ये, पं. सतेन्द्र जैन, पं. अकलंक जैन आदि विद्वत जन सम्पन्न करायेंगे। अयोध्या में एक साथ लगभग 1800 प्रतिमाओं के गर्भकल्याणक, जन्मकल्याणक, दीक्षाकल्याणक, केवल ज्ञानकल्याणक, मोक्षकल्याण के साथ इन सारी प्रतिमाओं को मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधिविधान के साथ 6 मार्च को प्रातः भगवान का स्वरूप प्राप्त होगा। 3 मार्च को जन्मकल्याणक मनाया जायेगा। जिसमें विशाल ऐतिहासिक जन्म की खुशियां शोभायात्रा के साथ पूरे अयोक संपूर्ण गृहबंधन छोड़कर दीक्षा का परिदृश्य देखने को मिलेगा।

5 मार्च को भगवानयों को ज्ञान प्राप्त करने वाले दिव्य आत्माओं के समान भगवान को केवलज्ञान की प्राप्ति होगी।

6 मार्च को तीनोंलोकों का ममुद्रा के साथ समस्त आठों कर्मों का नाश करते हुए भगवान अपनी आत्मा को शरीर से पृथक करते हुए सदैव के लिए अजर–अमर बनकर भगवत्ता का स्वरूप प्राप्त करेंगे और मोक्षकल्याणक मनाया जायेगा।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

संवाददाता–गोण्डा। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत देते हुए, सदोष अवरोध करने संबंधी आपराधिक मुकदमे को समाप्त कर दिया है। न्यायालय ने उक्त मुकदमे को वापस लेने के राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को मंजूर करते हुए पारित किया। इसके पूर्व निचली अदालत ने सरकार के मुकदमा वापसे संबंधी प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। न्यायालय ने निचली अदालत के उक्त आदेश को भी निरस्त कर दिया।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की याचिका पर पारित किया। याची के विरुद्ध गोण्डा जनपद के कोतवाली नगर थाने में वर्ष 2014 में आईपीसी की धारा 188 व 341 के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए, लोक सेवक के विधिवत रूप से प्रख्यापित आदेश की अवहेलना की व सदोष अवरोध उत्पन्न किया। मामले में विवेचना के उपरांत पुलिस ने सांसद के खिलाफ निचली अदालत में आरोप पत्र प्रेषित कर दिया था, जिस पर संज्ञान लेते हुए एसीजेएम प्रथम, गोण्डा ने 22 जनवरी 2018 को सांसद को हाजिर होने के लिए समन आदेश जारी किया था। उक्त आरोप पत्र व समन आदेश को पूर्व में भी सांसद की ओर से चुनौती दी गई थी। इस पर 20 अगस्त 2022 को हाईकोर्ट ने लोक सेवक के आदेश की अवहेलना के आरोप को निरस्त कर दिया व निचली अदालत को आदेश दिया कि यदि याची अपराध की स्वीकरोक्ति करता है तो उसे कारावास की सजा देने के बजाय, सिर्फ जुर्माना लगा के कार्यवाही को समाप्त कर दिया जाए। याची द्वारा जिला शासकीय अधिवक्ता, गोण्डा के उस प्रार्थना पत्र को मंजूर करने का अनुरोध किया गया जिसमें उक्त मुकदमे को वापस लिए जाने की बात काही गई थी। हालांकि निचली अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याची अपने अपराध की स्वीकरोक्ति हाईकोर्ट में कर चुका है। न्यायालय ने निचली अदालत के उक्त आदेश को खारिज कर दिया व उक्त मुकदमे को वापसी के आधार पर समाप्त कर दिया।

ग्रापए ने की जिला कार्यकारिणी की घोषणा

संवाददाता–कुशीनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (ग्रापए) ने वर्ष 2025 के लिए गुरुवार को अपनी जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। शैलेश कुमार उपाध्याय फिर से जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार दुबे ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देशन में नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस नई कार्यकारिणी में राजेश्वर सिंह, सुरेंद्र राय, पारसनाथ पाण्डेय, मोहन पाण्डेय, फैजुल हक और राम बिहारी राव जिला उपाध्यक्ष, अमरनाथ पाण्डेय, अशोक कुमार व कामाख्या नारायण मिश्र जिला महासचिव, मुकेशनाथ तिवारी, विनय त्रिपाठी, अविनाशचंद जायसवाल जिला सचिव, तथा सतीश दुबे जिला कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। जिला संगठन मंत्री की जिम्मेदारी मनोज मिश्रा एवं सत्येंद्र पाण्डेय को सौंपी गई है। जिला संप्रेक्षक गिरजेश मल्ल, जिला प्रवक्ता श्यामनारायण तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी संगम पाण्डेय, जिला कार्यसमिति सदस्य अनिल पाण्डेय तमकुही, गुरुदत्त उपाध्याय, सुधीर कुमार पाण्डेय, अशोक सिंह सखवनिया, उपेंद्र तिवारी, रोहित चौहान, ऋषिकांत मिश्रा, जाहिद हुसैन, राजीव सिंह, हरि गोपाल मिश्रा एवं राकेश मिश्रा को बनाया गया है। डॉ. विवेक पाण्डेय, आकाशवाणी, एसएन शुक्ला, मनीष मिश्रा, अखिलेश तिवारी, अशोक शुक्ला, कुंदन मिश्रा, राकेश गोंड, उदय सिंह, मोहन राव, विद्यासागर सिंह एवं कृष्ण कुमार राय विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं। इसी तरह मंडलीय कार्य समिति में लालसाहब राव, डॉ. नीलेश मिश्रा, अजय कुमार सिंह, राजेश कुमार शुक्ला, अभिषेक शाही, बृजेश शुक्ला, नर्वदा सिंह तथा प्रांतीय कार्य समिति में ओमप्रकाश द्विवेदी तथा प्रभुनाथ गुप्ता का नाम है।

जिला संरक्षक दीपनारायण अग्रवाल समाजसेवी, प्रो. ममता मणि त्रिपाठी (प्राचार्य, यूएनपीजी), डॉ. अरुण कुमार गौतम, डॉ. राजीव कुमार मिश्रा, शैलेंद्र दत्त शुक्ला प्रधानाचार्य, विधिक सलाहकार एडवोकेट ओमप्रकाश श्रीवास्तव व एडवोकेट ओम प्रकाश पाण्डेय बनाए गए हैं। इनके अलावा पडरौना तहसील अध्यक्ष हरिशंकर चौबे, खड्डा महेंद्र पाण्डेय, कप्तानगंज फरेंद्र पाण्डेय, हाटा गुरुदत्त गिरि, कसया कृष्ण मोहन पाण्डेय और तमकुहीराज तहसील अध्यक्ष राजकुमार चौबे तथा 14 ब्लॉक अध्यक्ष बनाए गए हैं।

उपचुनाव में जीते प्रधान व सदस्य को दिलाई गयी शपथ

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज ब्लॉक अंतर्गत हुए उपचुनाव में जीते हुए प्रत्याशियों का शपथ ग्रहण ब्लॉक परिसर में शपथ दिलाई गई। बृजमनगंज ब्लॉक में दो ग्राम प्रधान व एक ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए उपचुनाव हुआ था। प्रभारी बीडीओ अमरेंद्र प्रताप सिंह ने नव निर्वाचित ग्राम प्रधान मटिहनवा शिवांचल व कवलपुर की नवनिर्वाचित महिला ग्राम प्रधान विद्यावती के साथ ग्राम सभा महुलानी के ग्राम पंचायत सदस्य वार्ड नं 10 से निर्विरोध निर्वचित हुई चंदा को शपथ दिलाई।

खंडहरनुमा मकान में पड़ा मिला लापता मासूम, मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी से हुआ था गायब

संवाददाता–गोण्डा। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी से बृहस्पतिवार की शाम को लापता हुआ मासूम शुक्रवार को कोतवाली नगर के केशवपुर पहड़वा के खंडहरनुमा मकान में मिला है। पुलिस ने बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण कराया है। बच्चे को ले जाने वाले युवक की तलाश पुलिस कर रही है। सिंगहा चंदा गांव निवासी राधिका बृहस्पतिवार की शाम को अपने तीन वर्षीय बेटे अभिनव के साथ रिश्तेदारी की तीन महिलाओं संग मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी आई थी। वहां से मासूम गायब हो गया था। बाद में सीसीटीवी कैमरे में देखने पर एक युवक उसे ले जाता हुआ दिखाई पड़ा। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शुक्रवार को कोतवाली नगर के केशवपुर पहड़वा में एक खंडहरनुमा मकान से बच्चे को बरामद किया गया है। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

एंटी करप्शन टीम ने घूस लेते बीसीपीएम को रंगे हाथ पकड़ा

संवाददाता–श्रावसती। शुक्रवार को एंटी करप्शन टीम ने बीसीपीएम रिजवाना मुराद को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। रिजवाना मुराद सीएचसी मल्हीपुर में तैनात हैं। ये आशा बहू और आशा संगिनी से मासिक कार्य क्षेत्र भत्ता पत्रावली जमा करने के लिए पैसे की उगाही कर रही थी। ब्लाक क्षेत्र में 256 पुरानी और 20 नई भर्ती की आशा कार्यकर्ता कार्यरत हैं। 276 आशा कार्यकर्ताओं की फाइल जमा हो रही थी। इसी बीच लंच करने के बाद ऑफिस पहुंची बीसीपीएम को एंटी क्राप्शन टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए टीम उन्हें मल्हीपुर थाना ले गई है।

प्रदेश स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में गोरखपुर टीम बनी विजेता

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर में स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही ओपन प्रदेश स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मैच शुक्रवार को खेला गया। गोरखपुर की टीम ने 2–1 से लखनऊ को हराकर फाइनल मुकाबला जीत लिया। गोरखपुर टीम की कैप्टन कोमल पाल को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। शुक्रवार को सबसे पहले लखनऊ छात्रावास व बलरामपुर टीम के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें लखनऊ की टीम ने बलरामपुर को 2–1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद गोरखपुर स्पोर्ट्स कॉलेज व लखनऊ छात्रावास के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। जबरदस्त मुकाबले में गोरखपुर की टीम ने लखनऊ को 2–1 से हराकर फाइनल मैच जीत लिया। गोरखपुर की तरफ से आकांक्षा व कोमल ने एक–एक गोल किया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी, सलाहकार वैष्णवी सिकरवार, फतेहपुर के जिला क्रीडा अधिकारी सुनील कुमार भारती, बलरामपुर के क्रीडा अधिकारी दिनेश कुमार ने विजेता व उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रैकशूट व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिला क्रीडा अधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि के ऐसे प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। खिलाड़ियों को अलग–अलग जिलों की टीमों से कुछ सीखने का मौका मिलता है। खेल में हार–जीत लगा रहता है, लेकिन खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन हमेशा याद किया जाता है। इस अवसर पर उप क्रीडा अधिकारी कमाल अहमद, हॉकी संघ की सचिव रश्मि सिंह, पूर्व सचिव मोहम्मद हसन कुरैशी, प्रशिक्षक नागेंद्र गिरि, सूरज कुमार, हिना खातून, अतीकुर्रहमान व पवन तिवारी आदि मौजूद रहे।

विज्ञान में कमाल कर रहे हैं देवरिया के मेधावी, फहरा रहे परचम

संवाददाता–देवरिया। विज्ञान में देवरिया के मेधावी कमाल कर रहे हैं। कोई इंस्पायर अवार्ड जीत कर इनोवशेन में जुट गया है। तो कोई पीएचडी के जरिए शोधकार्य में जुटा हुआ है। किसी मेधावी बाल वैज्ञानिक पुरस्कार हासिल कर डेटा साइंस के क्षेत्र में कार्यरत है। वहीं कोई आईआईटी होते हुए लंदन के बर्मिंघम तक पहुंच गया है। यह मेधावी विज्ञान के क्षेत्र में दो कदम आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक पुरस्कार से हासिल कर चुके अभिषेक कुमार डेटा साइंस में कमाल कर रहे हैं। जिले के बरियापुर थाना क्षेत्र के सरौरा गांव निवासी अभिषेक ने 2015 में राजकीय इंटर कालेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इस बीच 2014 में नेशनल इंस्पायर अवार्ड में चयनित हुए। 2016 में इनका चयन एनआईआईटी इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में मैकेनिकल इंजीनियरिंग ट्रेड में हो गया। इसी बीच 2017 में अभिषेक को उत्तर प्रदेश सरकार ने बाल वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया। 2021 में पास आउट होने के बाद कैंपस सलेक्शन के जरिए अभिषेक ने एक कंपनी में चयन हुआ। एक वर्ष कार्य करने के बाद वह एक बड़ी एजुकेशन कंपनी में वह बतौर एनालिटिकल मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे हैं। अभिषेक की मंशा डेटा साइंस में कुछ नया करने की है।

राजकीय इंटर कालेज की छात्रा गौरीबाजार निवासी नीतू कुमारी ने रोपवे आर्किवल ब्रिज कैपेसिटी इंडक्टर मॉडल तैयार कर जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी 2022 में प्रस्तुत किया। इसमें उनका मॉडल जिले में प्रथम स्थान पर चयनित हुआ। मंडलीय विज्ञान प्रदर्शनी गोरखपुर में दिसंबर 2022 में भी नीतू कुमारी का मॉडल प्रथम आया। इसके बाद राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में नीतू का मॉडल चौथे स्थान पर रहा।

सनकी पोते ने दो दादा और दादी को फावड़ा मारकर उतारा मौत के घाट

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में ट्रिपल मर्डर की घटना सामने आई है। यहां एक पोते ने अपने दो दादा और दादी की बेरहमी से फावड़ा मारकर हत्या कर दी। एक साथ तीन लोगों की हत्या की खबर से पुलिस महकमे में सनसनी फैल गई। परिवार में भी कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पोते को गिरफ्तार कर लिया और मौके से वह फावड़ा भी बरामद किया जिससे हत्या की गई थी। पूरी घटना झंगहा थानाक्षेत्र के मोतीराम अड्डा के कोईरान टोला गांव का है। जानकारी के अनुसार पोता रामदयाल ने शुक्रवार सुबह ही घर में परिवार के लोगों के साथ विवाद किया था। विवाद के बाद पोता रामदयाल घर से 200 मीटर दूर घोठ पर पहुंचा। वहां पर सनकी रामदयाल ने पशु (पड़वा) के सिर पर फावड़े से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद बड़े दादा साधु (70) और अपने दादा कुबेर (69) और दादी द्रोपदी देवी (65) ने पड़वा पर फावड़ा चलाने के लिए मना किया तो वह पोता रामदयाल आग बबूला हो गया। जब तक कुछ रामदयाल के दादा–दादी समझ पाते, इतने में रामदयाल ने वही फावड़ा बारी–बारी से अपने दो दादा और दादी के ऊपर चला दिया। तीनों की बेरहमी से काटकर हत्या कर दी।

घटना देखकर आसपास मौजूद ग्रामीणों की रूह कांप गई। इसकी जानकारी रामदयाल के परिवार के अन्य लोगों को लगी तो कोहराम मच गया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी रामदयाल को गिरफ्तार अपने साथ ले गई। साथ ही तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भी भेजा गया। रामदयाल की मां कुसमावती देवी का कहना है कि एक सप्ताह पूर्व सड़क दुर्घटना में रामदयाल को चोट आई थी। उसी दिन से वह दिमागी रूप से डिस्टर्ब चल रहा है। भोर में अपने घर के तीन लोगों की हत्या काट दिया। उसकी मां का कहना है कि घर मे विवाद किया तो वह पति पत्नी दोनो घर से निकल गए थे। इसके बाद वह घोठ पर पहुंचा।

फंदे से लटकता मिला किशोर का शव

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना के कोल्हुई गांव में शुक्रवार को आम के डाल में गमछे के फंदे से किशोर का शव लटकता हुआ मिला। खेत की तरफ गये ग्रामीण ने परिजनों को सूचना दी।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। उधर किशोर के चाचा ने प्रेस प्रसंग में हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार कोल्हुई गांव निवासी विनोद साहनी का 17 वर्षीय लड़का वैभव साहनी बगीचे में आम के पेड़ पर गमछे के फंदे से लटकता शव मिला। परिजनों ने बताया कि वैभव गुरुवार शाम को अपने चाचा धर्मेन्द्र के पास गया वहां से पैसा लेकर आटा लेने के लिए गया। देर शाम चाचा घर पहुचें तो पता चला वैभव खाना खाकर घर` कहीं गया है उसके बाद घर नहीं आया।

सुबह बाग की तरफ गये रमेश पासवान ने देखा वैभव का शव आम के डाल में गमछे के सहारे लटक रहा है। उन्होने परिजनों को जानकारी दी। परिजन की सूचना पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हर पहलू पर जांच कर रही है। किशोर का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। किशोर के चाचा धर्मेन्द्र ने आरोप लगाया है कि वैभव का गैर विरादरी में एक लड़की से प्रेम प्रसंग था।

जिसपर उसके परिजन कई बार जान से मारने की धमकी दिए थे।आरोप है कि हत्या कर भतीजे का शव गमछे में लटकाया गया है।लेकिन अभी थाने में तहरीर नहीं दी गयी है। वैभव साहनी अपने तीन भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटा था। वह घर पर ही रहा करता था। उसके पिता किसान हैं गांव पर एक छोटी दुकान भी चलाते है।थानेदार विजय कुमार सिंह ने बताया वैभव साहनी रात 8:00 बजे से घर से गायब था ।पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का वजह स्पष्ट हो जायेगी।

राज्यपाल ने रामलला के किए दर्शन, अयोध्या धाम में आंगनबाड़ी न होने पर जताई चिंता

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के दौरे का दूसरा और अंतिम दिन रहा। इस दिन उन्होंने रामलला के दर्शन किए। इसके बाद अवध विश्वविद्यालय के सभागार में आंगनबाड़ी संसाधन किट का वितरण किया। इस दौरान अयोध्या धाम में एक भी आंगनबाड़ी केंद्र न होने पर राज्यपाल ने चिंता जताई।

महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने जानकारी दी कि अयोध्या धाम में 75 आंगनबाड़ी केंद्र की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि मठ मंदिरों में बहुत सी जमीन खाली पड़ी है। वहां पर व्यवस्था करके आंगनबाड़ी केंद्र खोला जा सकता है। उन्होंने कहा कि वह सरकार से भी कहेंगी कि बजट में अयोध्या धाम में आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के लिए प्रावधान करें।

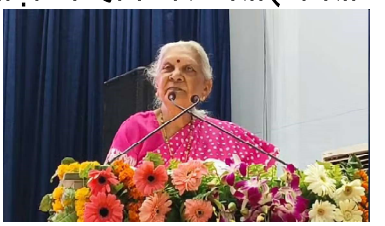

दूसरी तरफ बाल विकास पुष्टाहार के बजट को लेकर जिला प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। राज्यपाल ने कहा कि बजट आता है लेकिन समय से आंगनबाड़ी केंद्रों को संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाते। वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने मार्च में ही बजट खर्च किया जाता है।

राज्यपाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह परंपरा अब बदलनी होगी। वहीं, दूसरी तरफ राज्यपाल ने कहा कि कक्षा पांच तक के बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने की जरूरत नहीं है। कक्षा पांच तक के बच्चों को अपनी मातृभाषा में ही पढ़ाया जाए। मातृभाषा में ही बच्चे सशक्त होते हैं।

राज्यपाल ने अवध विश्वविद्यालय के सभागार में 501 आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकत्रियों को संसाधन किट वितरित किया। पांच प्राइमरी स्कूलों को स्मार्ट क्लास के लिए एलईडी सौंपी। इसके साथ ही 20 ई टेंपो को हरी झंडी दिखाई, जिसे महिलाएं शहर में चलाती दिखाई पड़ेंगी। इस दौरान आंगनबाड़ी नन्हे बच्चों ने मनमोहन प्रस्तुति दी, जिसे देखकर राज्यपाल और मौजूद अधिकारियों ने सराहना की।

राम मंदिरः रोजाना साढ़े तीन से चार लाख श्रद्धालु कर रहे दर्शन, छह से बढ़ाकर 32 हुई दान काउंटर

संवाददाता–अयोध्या। प्रयागराज महाकुंभ के चलते राममंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। मकर संक्रांति से रोजाना साढ़े तीन से चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। इससे पहले रोजाना 80 हजार से एक लाख श्रद्धालु दर्शन–पूजन करते थे। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है तो दान भी बढ़ा है। राममंदिर में रोजाना 15 लाख का दान आ रहा है। राममंदिर ट्रस्ट की ओर से दान काउंटर की संख्या छह से बढ़ाकर 32 कर दी गई है। राममंदिर में ज्यादा भीड़ के कारण छह दानपात्रों में रुपये अर्पित करने को लेकर धक्का–मुक्की की स्थिति बन रही थी। इसे देखते हुए दर्शन मार्ग के सिंहद्वार से गेट नंबर तीन के निकासी मार्ग तक 32 दान पात्र लगा दिए गए हैं। रोजाना 12 से 15 लाख रुपये रामलला को चढ़ावा अर्पित हो रहा है। दानपात्र में आने वाली धनराशि की गणना रोजाना की जाती है। इसके लिए बैंक व ट्रस्ट के कुल 20 कर्मी लगाए गए हैं जो रोजाना दानपात्र की धनराशि की गणना करते हैं। भारी भीड़ के चलते प्रसाद के रूप में इलायची दाने देना भी पिछले 15 दिनों से बंद कर दिया गया है। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि मंदिर में प्रसाद लेने के लिए श्रद्धालुओं के बीच भगदड़ की स्थिति न हो। राममंदिर निर्माण ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी बृहस्पतिवार को साझा की। उन्होंने बताया कि भीड़ के चलते मंदिर निर्माण का काम थोड़ा प्रभावित हुआ है। बताया कि तीर्थयात्रियों के लिए निकलने के मार्गों का काम थोड़ा धीमा हुआ है। शेष कार्य यथावत चल रहे हैं। मार्गों के निर्माण का काम रात में किया जाता है। राममंदिर के शिखर का निर्माण मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। केवल आठ लेयर के निर्माण का काम बाकी है।

तेज रफ्तार पिकअप में बाइक सवार का कपड़ा फंसा, गिरकर मौत

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रुदौली क्षेत्र के भौली गांव निवासी बाइक सवार युवक सड़क हादसे में गंभीर अवस्था में घायल घंटों मार्ग पर तड़पता रहा। परिजनों ने रुदौली सीएचसी में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज दर्शन नगर रेफर कर दिया गया। रास्ते में ही युवक की मौत हो गई। मृतक सुमित कुमार लोधी (18) पुत्र दुखीराम लोधी के परिजनों ने बताया कि घर पर मृतक के भाई की शादी के तीन दिन बचे थे। इस मौके पर कथा सुनने का आयोजन भी होना था। (सुपर एक्सल पर सवार होकर दो युवक रुदौली सामग्री लेकर घर आ रहे थे। सैदपुर मार्ग मड़हा पुल के निकट शुक्रवार दिन में लगभग 11रू30 बजे सैदपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने ओवरटेक किया।

पिकअप में सुमित का कपड़ा फंस गया। पिकअप के साथ घसीटते हुए कुछ दूरी पर जा गिरा, पीछे बैठा एक साथी सही सलामत बच गया।

अयोध्या धाम रेलवे जंक्शन पर भड़के साधु ने पीएसी जवान पर किया त्रिशूल से हमला, गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या धाम रेलवे जंक्शन पर सुरक्षा कर्मियों की ओर से रोक–टोक किये जाने पर एक साधु भड़क गया। भड़के साधू ने त्रिशूल से बरेली से ड्यूटी करने आए पीएसी जवान को घायल कर दिया। साथी कर्मियों ने आरोपी साधु को पकड़ पुलिस के हवाले किया है।

बताया गया कि पीएसी आठ बटालियन बरेली के जवान दीपक कुमार (28) पुत्र बीजेंद्र सिंह की अन्य पीएसी कर्मियों के साथ प्रयागराज कुंभ से अयोध्या आ रहे श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर अयोध्या धाम रेलवे जंक्शन पर ड्यूटी लगाई गई थी। साथी जवान जयंत का कहना है कि हम लोग प्लेटफार्म नंबर दो पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान देखा कि हाथ में त्रिशूल लिए एक अधेड़ साधु अपनी हरकतों से श्रद्धालु यात्रियों को परेशान कर रहा है। जिसको लेकर दीपक कुमार से साधू को शांत रहने अथवा मौके से हट जाने को कहा तो साधु विवाद पर उतर आया। दीपक ने उसको पकड़ने की कोशिश की तो साधु ने उनके पेट पर त्रिशूल से हमलाकर दिया ,जिसके कारण दीपक घायल हो गया।

साधु ने एक ट्रेन में चढ़कर फरार होने की कोशिश की लेकिन अन्य सुरक्षाकर्मियों की मदद से उसे पकड़ जीआरपी के हवाले कर दिया गया। घायल पीएसी जवान दीपक को जिला अस्पताल से दर्शननगर मेडिकल कालेज रेफर किया गया था,जहां जांच और उपचार के बाद उसको छुट्टी दे दी गई। जीआरपी अयोध्या कैंट के प्रभारी निरीक्षक समर सिंह ने बताया कि साधु को काबू करने की कोशिश में त्रिशूल लगने से पीएसी जवान घायल हुआ है। पुलिस ने आरोपी साधु सुनील चौधरी पुत्र सीताराम निवासी मदिया चौधरी पारा थाना इंग्लिश बाजार जिला मालदा, पश्चिम बंगाल का शांति भंग में चालान किया है।

ग्राम पंचायत में कैंप लगाने का निर्देश

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के क्षय रोगियों को खोजने के लिए ग्राम पंचायतों में कैंप लगाने का निर्देश दिया गया है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर एसडी ओझा के निर्देश पर कर्मचारियों ने अधिक से अधिक टीबी के रोगियों को खोजने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि कैंप लगाकर संभावित टीबी रोगियों की जांच की जा रही है ताकि कोई भी टीबी का रोगी बचाने ना पाए।

एनकाउंटर के डर से 25 हजार के इनामी पशु तस्कर ने किया सरेंडर

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाने से वांछित व छह साल से फरार चल रहे 25 हजार के इनामी बदमाश कुतुबुद्दीन ने एनकाउंटर के डर से पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। बरगदवा चौकी प्रभारी लक्ष्मी नारायण द्विवेदी और उनकी टीम ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। महराजगंज जिले के मोहनापुर चौराहा पुरन्दरपुर में मौजूद है अगर जल्दवाजी किया जाय तो पकड़ा जा सकता है आनन फानन में उपनि० आकाश जायसवाल विकाश यादव व आरक्षी धीरेन्द्र यादव उपेन्द्र गौण को साथ लेकर पर पहुंचा तो देखा कि अपराधी कही जाने की फिराक में है जिसे घेराबन्दी कर पकड़ने में सफलता मिल गयी पूछताछ में पकड़े गये अपराधी की पहचान कुतुबूद्दीन (37) उर्फ अंश पुत्र हदीश निवासी धरौली बंजारा टोला पुरन्दरपुर जिला महराजगंज के रूप में हुई कुतुबूद्दीन उर्फ अंश के खिलाफ चिलुआताल थाने में 2019 में धारा 307 आई पी सी 3 5 । 8 गोबध अपराध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया था जिसमें फरार रहा था।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 11/2022
न्यायालय–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राजेन्दर उर्फ राजेन्द्र प्रसाद गिरी
बनाम
हफीजुर्रहमान आदि

1. हफीजुर्रहमान पुत्र मो0 उमर साकिन बढ़या सरदहा पोस्ट सोनहा थाना सोनहा जिला–बस्ती हाल मुकाम हबीब मदरसा मानिकचंद पोस्ट पुरैना जनपद–बस्ती (पंजीकृत स्वामी वाहन सं0–U.P.51/V-1480)
2. चन्द्रभान पुत्र संतोषी ग्राम मुगरहा पोस्ट शाहपुर जिला बस्ती (चालक वाहन सं0–U.P.51/V-1480)
3. दी ओरियंटल इंश्योरेन्स कम्पनी लि0 सिन्डीकेट बैक के उपर कटेश्वर पार्क बस्ती जनपद–बस्ती (वीमाकर्ता वाहन सं0–U.P.51/V-1480)

तारीख पेशी 01–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको 01 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

संभागीय कार्यालय उपनिदेशक (प्रशासन/विपणन)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल– बस्ती।

पत्रांकः गेहूं0 ख0–हैण्ड0 ठेकेदार/2025–539   दिनांकः 28.02.2025

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक 5370/अ0आ0वि0/र0वि0व0–02/2025–26 दिनांक 24.12.2024 के द्वारा शासनादेश सं0 417/29–5–2024 (E1873914) दिनांक 6.12.2024 के निर्गत प्राविधानों के अन्तर्गत खाद्यायुक्त कार्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में तथा मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांक–विप०–3/गे०ख० –386(2025–26)/2025–1172 दिनांक 20.02.2025 के अनुपालन में बस्ती संभाग बस्ती में रबी विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत मण्डी परिषद के प्रस्तावित गेहूं क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्य हेतु जनपद बस्ती में मण्डी समिति बस्ती जनपद संतकबीरनगर में मण्डी समिति खलीलाबाद, जनपद सिद्धार्थनगर में मण्डी समिति नौगढ़ जनपद बलरामपुर में मण्डी समिति बलरामपुर एवं तुलसीपुर में हैण्डलिंग कार्य हेतु ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। क्रय केन्द्रों की संख्या घट बढ़ सकती है। हैण्डलिंग कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र, मूल्य, धरोहर धनराशि/निविदा की शर्ते, निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है। हैण्डलिंग कार्य हेतु रू0–500.00 एवं जी०एस०टी० रू०–90.00 कुल रु0–590.00 होगी तथा संभावित गेहूं खरीद के दृष्टिगत प्रत्येक केन्द्र की निविदा हेतु हैण्डलिंग कार्य की धरोहर धनराशि रु0–10000.00 (रूपये दस हजार मात्र) होगी। धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र शुल्क ''संभागीय उपनिदेशक (प्रशासन/विपणन) राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ०प्र० बस्ती भारतीय स्टेट बैंक शाखा–साउघाट, बस्ती खाता संख्या–30386924496 आई०एफ०एस० कोड-SBIN0011200 में आर०टी०जी०एस०/एन०इ०एफ०टी० के माध्यम से जमा की जायेगी। नकद तथा चेक के माध्यम से जमा धनराशि मान्य नहीं होगी तथा बिना धरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क के किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा ।

प्रत्येक निविदा के साथ अलग–अलग निविदा प्रपत्र शुल्क तथा धरोहर धनराशि के यू०टी०आर० की स्कैन कापी आनलाइन निविदा के साथ अपलोड की जायेगी। निविदा प्रपत्र के सभी पृष्ठों पर निविदादाता के हस्ताक्षर होना चाहिए। निविदा संबंधी प्रषत्रों को पी०डी०एफ० फार्म में स्कैन कर पठनीय प्रति ही अपलोड की जाये, अपठनीय/ओवरराईटिंग युक्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। शासन / परिषद द्वारा समय–समय पर जारी आदेश/निर्देश मान्य होगें।

निविदा प्रपत्र वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दो भागों ''टेक्निकल बिड'' एवं फाइनेन्सियल–बिड'' दिनांक 03.3.2025 को 13:00 बजे से दिनांक 18.3.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक ई–निविदा अपलोड की जा सकेंगी। टेक्निकल बिड दिनांक– 18.3.2025 को प्रातः 12:00 बजे ई–निविदा समिति द्वारा नियमानुसार खोली जायेगी।

जांचोपरान्त –''टेक्निकल–बिड'' में अर्ह पाये गये निविदादातों की फाइनेन्सियल बिड खोलकर अग्रेतर कार्यवाही सम्पन्न की जायेगी। निविदा की नियम/शर्ते, धरोहर धनराशि आदि के सम्बन्ध में सूचना आन लाइन वेबसाइट से तथा आफ लाइन इस कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। निविदा की किसी भी शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल बेवसाइड http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगें। अतः समस्त निविदादाता उक्त वेबसाइट को नियमित रूप से देखते रहें। बिना कारण बतायें किसी निविदा कों निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

(ज्योति यादव)
उप निदेशक (प्रशा०/विप०)

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 11564/2022
अदालत– श्रीमान तहसीलदार महोदय सदर बस्ती जिला बस्ती
रेशमा
बनाम
राम उजागिर

1. ऊषा पत्नी रामभारथ ग्राम गौर धुन्धा तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 11562/2022
अदालत– श्रीमान तहसीलदार महोदय सदर बस्ती जिला बस्ती
जसवन्त आदि
बनाम
राम उजागिर

1. ऊषा पत्नी रामभारथ ग्राम गौर धुन्धा तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 11561/2022
अदालत– श्रीमान तहसीलदार महोदय सदर बस्ती जिला बस्ती
जसवन्त आदि
बनाम
राम उजागिर

1. ऊषा पत्नी रामभारथ ग्राम गौर धुन्धा तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 201/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/महोदय बस्ती जिला–बस्ती
गुलाब सिंह आदि
बनाम
शैलेन्द्र सिंह आदि

1. शैलेन्द्र सिंह पुत्र दीप नरायन सिंह 2. राज बहादुर सिंह पुत्र बनारसी सिंह निवासीगण डिगरभरिया तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको 09 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com